# अनुक्रम


| | |
|---|---|
| 1. जीवन परिचय | 7 |
| 2. कृष्ण काव्य की भावभूमि और परिवेश | 10 |
| 3. रसखान की भावभूमि : 'सुजान रसखान' | 13 |
| 4. दानलीला : भावभूमि की संवादी डगर | 24 |
| 5. प्रेमवाटिका : प्रेम की प्रौढ़ भाव-मंजूषा | 27 |
| 6. अष्टयाम और प्रकीर्णक : वस्तु-वैविध्य | 32 |
| 7. रसखान का महत्त्व | 37 |
| 8. उपसंहार | 40 |
| परिशिष्ट I : चयन | 43 |
| परिशिष्ट II : आधार सामग्री | 59 |